22.8.19 बार संघ या कार्य स्थगन प्रस्ताव/हड़ताल
के कारण अधिवक्तागण उपस्थित नहीं ।
पत्रावली उनके [illegible] हेतु पेश है।
पत्रावली उपलब्ध 9-9-19

9.9.19 वकील आपस। उपस्थित वकील वादी द्वारा कथन कि प्रतिवादी संख्या 4 के विरुद्ध कोई अनुतोष नहीं चाहा गया है अतः उन्हें पक्षकार बनाया गया है अतः प्रतिवादी संख्या 4 की तलबी खत्म की जावे। पत्रावली का अवलोकन किया गया अवलोकन पाया कि प्रतिवादी संख्या 4 तरतीवी पक्षकार होने से जवाब की आवश्यकता नहीं है अतः पत्रावली वास्ते बहस दिनांक 21-10-19 को पेश हो।

21-10-19 वकील उभयपक्ष उपस्थित समय भाव से बहस नहीं सुनी जा सकी पत्रावली वास्ते बहस दिनांक 8-1-20 को पेश हो।

11.12.2019 वादी द्वारा जरिये अधिवक्ता प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण में राजीनामा होनें के कारण पत्रावली को पेशी में ली जाकर बहस हेतु निवेदन किये जानें पर पत्रावली को पेशी में लिया जाकर प्रार्थना पत्र शामिल पत्रावली किया गया। उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्तागण की बहस सुनी गई।

. उभयपक्ष के सुयोग्य अधिवक्तागण की समायत बहस पर मनन किया गया पत्रावली का अवलोकन किया गया बाद अवलोकन पाया कि पक्षकारान के मध्य राजीनामा होनें से किसी प्रकार का कोई प्रतिवाद नहीं होनें से वाद वादी मुताबिक राजीनामा स्वीकार किया जाना न्यायोचित पाये जाने पर स्वीकार किया जाकर विस्तृत निर्णय पृथक से लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाये जानें के उपरान्त अन्तिम डिक्री जारी की जाकर शामिल पत्रावली की गई।

पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।

(कपिल यादव)

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official
Scanned by CamScanner
Signature Not Verified
Digitally signed by Kapil Kumar Yadav
Date: 2020.01.06 14:11:21 IST
Reason: SelfAttested